

Ref : IBP/PMO/17-18/021

28<sup>th</sup> August 2017

माननीय प्रधानमंत्री जी,

हम लोग आपका ध्यान देश में सर्वाधिक रोजगार देने वाली उन लघु कारोबारियों की ओर दिलाना चाह रहे हैं जो इन दिनों सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिकारियों की कुव्यवस्था का शिकार होकर अपने उद्योगों को बंद करने पर मजबूर हो रहे हैं। अकेले दिल्ली में छह महीने के दौरान ऐसे 100 से ज्यादा लघु कारोबारियों की ईकाईयां बंद हो चुकी हैं। इनका कसूर सिर्फ इतना था कि किसी कारण से ये लोग अपने लोन की किस्ते समय से जमा नहीं कर पाए थे। बैंकों ने इन ईकाईयों को बगैर बताए अपने लोन की वसूली के लिए उनकी संपत्ति नीलाम कर दी।

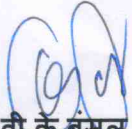
महोदय, इस तरह की एक घटना नहीं है बल्कि अब यह सिलसिला ही शुरू हो गया है। लघु कारोबारियों की कोई सुन नहीं रहा है। लघु कारोबारी के कार्य प्रणाली बड़े कारोबारियों के मुकाबले बहुत भिन्न है। एक लघु कारोबारी अपना सब कुछ दांव पर लगा कर एक कारोबार के स्थापना करता है। कभी-कभी बहुत से कारणों के चलते कारोबार में वित्तीय समस्या आ जाती है। बैंक अधिकारी रिज़र्व बैंक की नीतियों का हवाला देकर बहुत ही असंवेदनशीलता का परिचय दे रहे हैं और तकनीकी तौर पर सिर्फ 3 माह के भुगतान के विलंब के चलते तुरंत कानूनी कार्यवाही कर, उक्त कारोबारी के सम्मान, संपत्ति और पैसे-पौने-दामों पर नीलाम कर देते हैं। इतना ही नहीं ऋण चुकता होने के बाद बची धन राशि ऋण दाताओं को लौटाते भी नहीं हैं।

लघु कारोबारियों के हित में भारत सरकार 1 करोड़ तक का ऋण बिना किसी प्रतिभूति के CGTMSE में माध्यम से सरकारी बैंकों द्वारा उपलब्ध कराती है। आश्चर्यजनक बात है कि जिन कारोबारियों के ऋण 1 करोड़ तक के हैं और उन्होंने बैंकों के दबाव के कारण अपना घर या दूकान बैंकों को गिरवी रख दी है, बैंक CGTMSE स्कीम का लाभ भी नहीं देते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी आप जानते हैं कि लघु कारोबार भारत जैसे देश की अर्थव्यवस्था में रीढ़ की हड्डी की भांति है और मोदी सरकार के मेक इन इंडिया कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी। दुर्भाग्य से बैंक अधिकारियों के असंवेदनशीलता के चलते सरकार का यह कार्यक्रम असफलता की ओर अग्रसर है। इस सबके पीछे किसी बड़े भ्रष्टाचार की आशंका है। आपसे अनुरोध है कि बैंकों द्वारा की जा रही इस कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाते हुए इसकी उच्चस्तरीय जांच कराएं ताकि इस अलग के तरह के भ्रष्टाचार को और बढ़ने से रोका जा सके।

साथ ही आपसे यह भी करबद्ध प्रार्थना है कि पीड़ित लघु करोबारियों का एक प्रतिनिधि मंडल आपसे व्यक्तिगत रूप से भेट कर आपको वास्तविक स्थिति से अवगत करना चाहता है। आपसे अनुरोध है कि इस प्रतिनिधि मंडल से मिलने और उनकी बात सुनने के लिए समय देने कि कृपा करें ताकि देश के रोजगार सृजन करने वाले लघु कारोबारी को बैंक अधिकारियों के शोषण से मुक्त कराया जा सके।

धन्यवाद



वी के बंसल

राष्ट्रीय अध्यक्ष

सेवा में:

श्री नरेंद्र मोदी जी

माननीय प्रधान मंत्री, भारत सरकार

साउथ ब्लॉक, रायसीना हिल्स

नई दिल्ली

